एम.जे.पी. रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली

NEP- 2020 स्नातकोत्तर हिन्दी सेमेस्टर पाठ्यक्रम

वर्ष	प्रश्न पत्र कोड	प्रश्न पत्र का शीर्षक	Credits	Theory/ Practical	Evaluation Internal	Evaluation External
		SEMESTER - I (Year - I)				
I	41651	हिन्दी साहित्य का इतिहास	5	Core	30	70
	41652	आदिकालीन हिन्दी काव्य	5	Core	30	70
	41653	हिन्दी नाटक एवं एकांकी	5	Core	30	70
	41654	हिन्दी भाषा और देवनागरी लिपि	5	Core	30	70
	31651	मौखिकी	6	Practical	आन्तरिक व बाह्य परीक्षक संयुक्त मूल्यांकन 100 अंक	
		Total Credits	**26**			
		SEMESTER - II (Year - I)				
I	41656	मध्यकालीन हिन्दी काव्य	5	Core	30	70
	41657	हिन्दी कथा साहित्य (उपन्यास एवं कहानी)	5	Core	30	70
	41658	निबन्ध एवं स्फुट गद्य विधाएं	5	Core	30	70
	41659 41660	वैकल्पिक (निम्न में से कोई एक चुनें) (क) आधुनिक आख्यानमूलक काव्य (ख) मध्यकालीन काव्य की दरबारी परम्परा	5	Core Elect.-A Elect.-B	30	70
	Minor Elective 41661	निम्न में से किसी एक साहित्यकार को चुनें– (क) जयशंकर प्रसाद	4	Minor	30	70
	41662	(ख) प्रेमचन्द्र				
	41663	(ग) हजारी प्रसाद द्विवेदी				
	41664	(घ) कृष्णा सोबती				
	31652	लघु शोध/प्रोजेक्ट एवं मौखिकी	6	Practical	आन्तरिक व बाह्य परीक्षक संयुक्त मूल्यांकन 100 अंक	
			30			
		Total Credits	**56**			
		SEMESTER - III (Year - II)				
II	41665	आधुनिक हिन्दी काव्य (छायावाद पर्यन्त)	5	Core	30	70
	41666	छायावादोत्तर काव्य	5	Core	30	70
	41667	काव्य शास्त्र एवं समालोचना	5	Core	30	70
	41668	वैकल्पिक (निम्न में से कोई एक चुनें) (क) पत्रकारिता	5	Core Elect.-A	30	70
	41669	(ख) अनुवाद		Elect.-B		
	Minor Elective 41670	निम्न में से कोई एक प्रश्न पत्र चुनें– (क) प्रयोजन मूलक हिन्दी एवं आधुनिक जनसंचार	4	Minor Elect.	30	70
	41671	(ख) हिन्दी का लोक साहित्य				
	31653	मौखिकी	6	Practical	आन्तरिक व बाह्य परीक्षक संयुक्त मूल्यांकन 100 अंक	
		Total Credits	**30**			
		SEMESTER - IV (Year - II)				
II	41672	अस्मितामूलक विमर्श	5	Core	30	70
	41673	वैकल्पिक (निम्न में से कोई एक चुनें) (क) भाषा विज्ञान	5	Core Elect.-A	30	70
	41674	(ख) भारतीय साहित्य		Elect.-B		
	41675	वैकल्पिक (निम्न में से कोई एक चुनें) (क) प्राचीन आख्यानमूलक काव्य	5	Core Elect.-A	30	70
	41676	(ख) आधुनिक काव्य : प्रगीत व मुक्तक परम्परा		Elect.-B		
	41677	वैकल्पिक– (किसी एक कवि का विशेष अध्ययन) (क) कबीर	5	Core Elect.-A	30	70
	41678	(ख) सूरदास		Elect.-B		
	41679	(ग) तुलसीदास		Elect.-C		
	Open Minor Elective	खुला लघु वैकल्पिक प्रश्न–पत्र (यह अन्य स्ट्रीम/विषय/विभाग से चुना जाएगा)	4	Open Minor Elective	30	70
	31654	लघु शोध/प्रोजेक्ट एवं मौखिकी	6	Practical	आन्तरिक व बाह्य परीक्षक संयुक्त मूल्यांकन 100 अंक	
			30			
		Total Credits	**60**			
		Grand Total	**116**			

(प्रो० रूपांशुमाला) (प्रो० कंचन सिंह) (डॉ.राम आधार सिंह यादव) **(प्रोफेसर बीना रुस्तगी)**

संयोजक- हिन्दी पाठ्य समिति

एम.ए. (हिन्दी) प्रथम सेमेस्टर – प्रथम प्रश्न पत्र

प्रश्न पत्र का शीर्षक : हिन्दी साहित्य का इतिहास

इकाई– निर्धारित पाठ्यक्रम–

1. हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, काल विभाजन और नामकरण, हिन्दी साहित्य का आदिकाल : नामकरण और प्रमुख प्रवृत्तियाँ, नाथ–सिद्ध साहित्य परम्परा, रासो काव्य परम्परा, आदिकाल के प्रतिनिधि कवि और उनकी रचनाएं।
2. मध्यकाल : भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और प्रवृत्तियाँ, निर्गुण संत काव्य और उसकी प्रमुख प्रवृत्तियां, सूफी काव्य परम्परा, सगुण काव्यधारा : रामभक्ति परम्परा, कृष्णभक्ति परम्परा, भक्तिकाल के प्रमुख कवि और उनकी रचनाएं।
3. रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और प्रमुख प्रवृत्तियां, लक्षण ग्रन्थ–परम्परा, रीतिकाल की काव्यधाराएं : रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्य, प्रमुख कवि और उनकी रचनाएं।
4. आधुनिक साहित्य एवं पुनर्जागरण, भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन काव्य।
5. आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य की प्रमुख विधाओं का परिचय, निबन्ध, उपन्यास, कहानी, नाटक एवं अन्य गद्य विधाएं (संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रा वृतान्त, रिपोर्ताज)।

सहायक ग्रन्थ–

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य की भूमिका – डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. साहित्य की समस्याएं – डॉ0 शिवदान सिंह चौहान
5. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ0 गणपति चन्द्र गुप्त
6. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ0 नगेन्द्र
7. हिन्दी का गद्य साहित्य – डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
8. हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास – डॉ0 सुमन राजे
9. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ0 बच्चन सिंह
10. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास– डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी

अंक विभाजन–

- 4 लघु उत्तरीय प्रश्न
  (कुल 8 प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को
  4 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे) प्रत्येक प्रश्न 07 अंक का होगा = 04 x 07 = 28
- 3 दीर्घ उत्तरीय आलोचनात्मक प्रश्न
  (कुल 6 प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को 3 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे)
  प्रत्येक प्रश्न 14 अंक का होगा = 03 x 14 = 42
- आन्तरिक मूल्यांकन
  (लिखित परीक्षा–20, असाइन्मेंट / सेमिनार, क्विज आदि–5,
  समग्र प्रदर्शन– उपस्थिति आदि–5) = 20+5+5 = 30
  कुल योग = 100

एम.ए. (हिन्दी) प्रथम सेमेस्टर – द्वितीय प्रश्न पत्र

प्रश्न पत्र का शीर्षक : आदिकालीन हिन्दी काव्य

इकाई– निर्धारित पाठ्यक्रम–

1. सिद्ध साहित्य एवं सरहपाद
2. गोरखनाथ : सबदी (सभी बीस सबद)
3. चन्दवरदाई : प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक– आदिकालीन काव्य : सं0 वासुदेव सिंह पदमावती समय
4. विद्यापति : विद्यापति पदावली (सं0 रामवृक्ष बेनीपुरी) से 20 पद
   पद संख्या : कृष्ण वन्दना–1, राधा वन्दना–2, वयःसंधि–4, राधा का प्रेम–38, 42, 43, मिलन 72, 76, सखी–संभाषण 97, कौतुक 104, 105, मान 137, बसंत 175, 176, 178, 182, विरह 188, 191, 196, 217
5. अमीर खुसरो : कव्वाली (1), गीत (4, 13), दोहे–3 (पृष्ठ–86) 1. गोरी सोवे, 2. खुसरो रैन, 3. चकवा चकवी। (अमीर खुसरो : व्यक्तित्व एवं कृतित्व– डॉ0 परमानन्द पांचाल)

सहायक ग्रन्थ–

1. दोहा कोष (ग्रन्थकार सिद्ध सरहपाद)	–	संकलन एवं संपादन राहुल सांकृत्यायन
2. आदिकालीन काव्य	–	सं0 वासुदेव सिंह
3. विद्यापति पदावली	–	सं0 रामवृक्ष बेनीपुरी
4. विद्यापति	–	शिव प्रसाद सिंह
5. अमीर खुसरो	–	सं0 गोपीचंद नारंग

अंक विभाजन–

⏮	पाठ्य पुस्तक से तीन व्याख्याएं (आन्तरिक विकल्प सहित)	= 03x10 = 30
⏮	04 लघु उत्तरीय प्रश्न (आन्तरिक विकल्प सहित)	= 04x05 = 20
⏮	02 दीर्घ आलोचनात्मक प्रश्न (विकल्प सहित)	= 02x10 = 20
⏮	आन्तरिक मूल्यांकन (लिखित परीक्षा–20, असाइन्मेंट/सेमिनार, क्विज आदि–5, समग्र प्रदर्शन– उपस्थिति आदि–5)	= 20+5+5 = 30
	कुल योग	= 100

एम.ए. (हिन्दी) प्रथम सेमेस्टर – तृतीय प्रश्न पत्र

प्रश्न पत्र का शीर्षक : नाटक एवं एकांकी

इकाई– निर्धारित पाठ्यक्रम–

1. नाटक एवं एकांकी का उद्‌भव एवं विकास
2. नाटक : अंधेर नगरी– भारतेंदु हरिश्चन्द्र
3. चन्द्रगुप्त– जयशंकर प्रसाद
4. आषाढ़ का एक दिन– मोहन राकेश
   अथवा अंधा युग– धर्मवीर भारती
5. एकांकी : एक घूंट– जयशंकर प्रसाद
   प्रतिशोध– राम कुमार वर्मा
   अण्डे के छिलके– मोहन राकेश
   जोंक– उपेन्द्र नाथ अश्क

सहायक ग्रन्थ–

1. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन – श्री जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
2. आधुनिक नाटकों का मसीहा– मोहन राकेश – डॉ0 गोविन्द चातक
3. मोहन राकेश की रंग–दृष्टि – डॉ0 जगदीश शर्मा
4. आधुनिक हिन्दी नाटक और रंगमंच – डॉ0 लक्ष्मीनारायण लाल
5. हिन्दी एकांकी की शिल्पविधि का विकास – डॉ0 सिद्धनाथ कुमार
6. हिन्दी एकांकी : उद्‌भव और विकास – डॉ0 रामचरण महेन्द्र
7. स्वातंत्रयोत्तर हिन्दी नाट्य साहित्य में युगबोध – डॉ0 मंजरी त्रिपाठी
8. हिन्दी नाटक : आजकल – जयदेव तनेजा
9. प्रसाद के नाटक – जयदेव तनेजा
10. अंधा युग : पाठ और प्रदर्शन – जयदेव तनेजा

अंक विभाजन–

- पाठ्य पुस्तक से तीन व्याख्याएं (आन्तरिक विकल्प सहित) = 03x10 = 30
- 04 लघु उत्तरीय प्रश्न (आन्तरिक विकल्प सहित) = 04x05 = 20
- 02 दीर्घ आलोचनात्मक प्रश्न (विकल्प सहित) = 02x10 = 20
- आन्तरिक मूल्यांकन
  (लिखित परीक्षा–20, असाइन्मेंट/सेमिनार, क्विज आदि–5,
  समग्र प्रदर्शन– उपस्थिति आदि–5) = 20+5+5 = 30

  कुल योग = 100

एम.ए. (हिन्दी) प्रथम सेमेस्टर – चतुर्थ प्रश्न पत्र

प्रश्न पत्र का शीर्षक : हिन्दी भाषा एवं देवनागरी लिपि का इतिहास
इकाई– निर्धारित पाठ्‌यक्रम–

1. हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि
   – प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएं।
   – वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएं।
   – मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएं– पालि, प्राकृत, शौरसैनी, अर्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएं।
2. हिन्दी का भौगोलिक विस्तार
   – हिन्दी की उपभाषाएं, पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियां, उर्दू साहित्य का संक्षिप्त इतिहास (सामान्य परिचय)।
   – खड़ी बोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएं।
3. हिन्दी का भाषिक स्वरूप –
   – हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था– खंड्य और खंडयेतर।
   – हिन्दी शब्द रचना– उपसर्ग, प्रत्यय, समास।
   रूपरचना– लिंग, वचन और कारक व्यवस्था के संदर्भ में हिन्दी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रियारूप।
   हिन्दी वाक्य रचना पदक्रम और अन्विति।
4. हिन्दी के विविध रूप
   – सम्पर्क भाषा, राष्ट्र भाषा, राजभाषा के रूप में हिन्दी, माध्यम भाषा, संचार भाषा।
   – हिन्दी की संवैधानिक स्थिति।

5. देवनागरी लिपि :
   – देवनागरी लिपि का इतिहास।
   – देवनागरी लिपि की विशेषताएं और मानकीकरण।

सहायक ग्रन्थ–

1. हिन्दी भाषा का इतिहास	–	डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा
2. हिन्दी भाषा का विकास	–	डॉ0 उदयनारायण तिवारी
3. हिन्दी भाषा का विकास	–	डॉ0 देवेन्द्र नाथ शर्मा
4. हिन्दी भाषा और लिपि का विकास	–	डॉ0 सत्यनारायण त्रिपाठी
5. हिन्दी की आत्मा	–	डॉ0 धर्मवीर
6. हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास	–	डॉ0 तिलक सिंह
7. उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	–	एहतेशाम हुसैन
8. उर्दू भाषा और साहित्य	–	फिराक गोरखपुरी

अंक विभाजन–

- 4 लघु उत्तरीय प्रश्न
  (कुल 8 प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को
  4 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे) प्रत्येक प्रश्न 07 अंक का होगा = 04 x 07 = 28
- 3 दीर्घ उत्तरीय आलोचनात्मक प्रश्न
  (कुल 6 प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को 3 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे)
  प्रत्येक प्रश्न 14 अंक का होगा = 03 x 14 = 42
- आन्तरिक मूल्यांकन
  (लिखित परीक्षा–20, असाइन्मेंट/सेमिनार, क्विज आदि–5,
  समग्र प्रदर्शन– उपस्थिति आदि–5) = 20+5+5 = 30
  कुल योग = 100

एम.ए. (हिन्दी) द्वितीय सेमेस्टर – प्रथम प्रश्न पत्र

प्रश्न पत्र का शीर्षक : मध्यकालीन हिन्दी काव्य
इकाई– निर्धारित पाठ्यक्रम–

1. –कबीर : कबीर ग्रंथावली (संपादक डॉ0 माता प्रसाद गुप्त)
   साखी
   गुरुदेव कौ अंग – 3, 13, 20, 34, 35
   विरह कौ अंग – 1, 3, 6, 11, 12, 18, 22, 28, 33, 40
   सबद – 1, 11, 40, 43, 51, 64, 70, 97, 110, 119, 128, 148
   –जायसी : पद्मावत (नागमती वियोग खण्ड)
   जायसी ग्रन्थावली, सं0 रामचन्द्र शुक्ल
2. –सूरदास : 15 पद
   भ्रमरगीत सार, सं0 रामचन्द्र शुक्ल (पद संख्या 21 से पद संख्या 36 तक)
   – मीराबाई : 15 पद
   मीराबाई की पदावली : सं0 परशुराम चतुर्वेदी
   प्रथम खण्ड– पद संख्या– 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 11, 14, 16, 17, 19, 20, 22, 23 (कुल–15)
3. –तुलसीदास : रामचरितमानस का उत्तरकांड (संपूर्ण)

4. –बिहारी : बिहारी रत्नाकर, सं0 जगन्नाथदास रत्नाकर 15 दोहे
1, 7, 11, 13, 18, 20, 21, 28, 38, 51, 67, 69, 94, 102, 103

–घनानन्द : 15 छन्द
घनानन्द कवित्त : सं0 आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र–
पद सं0 : 1, 6, 13, 15, 27, 34, 43, 60, 68, 70, 82, 84, 92, 97, 128

–भूषण : 15 प्रारम्भिक दोहे
भूषण ग्रन्थावली : सं0 डॉ0 भगीरथ दीक्षित

सहायक ग्रन्थ–

1. कबीर	–	आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. कबीर की विचारधारा	–	डॉ0 गोविन्द त्रिगुणायत
3. त्रिवेणी	–	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
4. मलिक मुहम्मद जायसी और उनका काव्य	–	डॉ0 शिव सहाय पाठक
5. सूरदास	–	डॉ0 मुंशीराम शर्मा सोम
6. तुलसीदास और उनका युग	–	डॉ0 राजपति दीक्षित
7. बिहारी : नया मूल्यांकन	–	डॉ0 बच्चन सिंह
8. बिहारी	–	आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
9. घनानन्द का काव्य	–	डॉ0 रामदेव शुक्ल
10. जायसी साहित्य में अप्रस्तुत विधान	–	डॉ0 विद्याधर त्रिपाठी
11. आचार्य केशव	–	डॉ0 हीरालाल दीक्षित
12. केशव की काव्यकला	–	पं0 कृष्णशंकर शुक्ल
13. भूषण ग्रन्थावली	–	सं0 डॉ0 भगीरथ दीक्षित

अंक विभाजन–

⏮ पाठ्य पुस्तक से तीन व्याख्याएं (आन्तरिक विकल्प सहित)	= 03x10 = 30
⏮ 04 लघु उत्तरीय प्रश्न (आन्तरिक विकल्प सहित)	= 04x05 = 20
⏮ 02 दीर्घ आलोचनात्मक प्रश्न (विकल्प सहित)	= 02x10 = 20
⏮ आन्तरिक मूल्यांकन (लिखित परीक्षा–20, असाइन्मेंट/सेमिनार, क्विज आदि–5, समग्र प्रदर्शन– उपस्थिति आदि–5)	= 20+5+5 = 30
कुल योग	= 100

एम.ए. (हिन्दी) द्वितीय सेमेस्टर – द्वितीय प्रश्न पत्र

प्रश्न पत्र का शीर्षक : हिन्दी कथा साहित्य (उपन्यास एवं कहानी)
इकाई– निर्धारित पाठ्यक्रम–

उपन्यास :

1.	गोदान	– प्रेमचन्द
2.	राग दरबारी	– श्रीलाल शुक्ल
3.	**कहानी :**	
	उसने कहा था	– चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
	कफन	– प्रेमचन्द
	पाजेब	– जैनेन्द्र कुमार
4.	वापसी	– उषा प्रियंवदा
	सिक्का बदल गया	– कृष्णा सोबती

इंस्पेक्टर मातादीन चांद पर — हरिशंकर परसाई

सहायक ग्रन्थ–

1. हिन्दी उपन्यास उद्‌भव और विकास — डॉ0 सुरेश सिन्हा
2. उपन्यास सिद्धान्त और संरचना — डॉ0 रवीन्द्र भ्रमर
3. हिन्दी के मनोवैज्ञानिक उपन्यास — डॉ0 धनराज
4. कथा साहित्य के मनोवैज्ञानिक समीक्षा सिद्धान्त— डॉ0 देवराज उपाध्याय
5. हिन्दी कथा शिल्प का विकास — डॉ0 प्रतापनारायण टण्डन
6. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन — श्री जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
7. प्रेमचन्द्र और उनका युग — डॉ0 रामविलास शर्मा
8. गोदान मूल्यांकन — डॉ0 इन्द्रनाथ मदान
9. गोदान के अध्ययन की सीमायें — डॉ0 गोपाल राय
10. हिन्दी कहानी का इतिहास — डॉ0 गोपाल राय
11. राग दरबारी : आलोचना की फांस — डॉ0 रेखा अवस्थी
12. हिन्दी कहानी का विकास — मधुरेश

अंक विभाजन–

- पाठ्य पुस्तक से तीन व्याख्याएं (आन्तरिक विकल्प सहित) = 03x10 = 30
- 04 लघु उत्तरीय प्रश्न (आन्तरिक विकल्प सहित) = 04x05 = 20
- 02 दीर्घ आलोचनात्मक प्रश्न (विकल्प सहित) = 02x10 = 20
- आन्तरिक मूल्यांकन
  (लिखित परीक्षा–20, असाइन्मेंट/सेमिनार, क्विज आदि–5,
  समग्र प्रदर्शन– उपस्थिति आदि–5) = 20+5+5 = 30
  कुल योग = 100

एम.ए. (हिन्दी) द्वितीय सेमेस्टर – तृतीय प्रश्न पत्र

प्रश्न पत्र का शीर्षक : निबन्ध एवं स्फुट गद्य विधाएं
इकाई– निर्धारित पाठ्यक्रम–

1. निबन्ध :

बालकृष्ण भट्‌ट — साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है
बालमुकुंद गुप्त — बनाम लार्ड कर्जन
रामचन्द्र शुक्ल — काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था
हजारी प्रसाद द्विवेदी — कुटज

2. विद्यानिवास मिश्र — मेरे राम का मुकुट भीग रहा है
कुबेरनाथ राय — झरते क्षणों का पर्ण–मुकुट
हरिशंकर परसाई — विकलांग श्रद्धा का दौर

3. आत्मकथा :

ओमप्रकाश वाल्मीकि — जूठन

4. संस्मरण :

महादेवी वर्मा — पथ के साथी

सहायक ग्रन्थ–

1. पं0 बालकृष्ण भट्‌ट व्यक्तित्व और कृतित्व : डॉ0 मधुकर भट्‌ट, विश्वविद्यालय

प्रकाशन, बनारस

2. हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
3. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का चिन्तन जगत : प्रो0 के0के0 पालीवाल, स्वराज प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
5. निबंधकार हजारी प्रसाद द्विवेदी : उषा सिन्हा, किताबघर, नई दिल्ली– 17
6. भारत दुर्दशा : मूल्यांकन और मूल्यांकन : डॉ0 विजय कुमार तिवारी, सुमति प्रकाशन, इलाहाबाद
7. समकालीन मूल्यबोध और संशय की एक रात : प्रो0 सुरेश चंद्र, जवाहर पुस्तकालय, मथुरा, उ0प्र0
8. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएं : रामविलास शर्मा
9. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण : रामविलास शर्मा
10. निराला की साहित्य साधना (भाग 1 व 2) : रामविलास शर्मा
11. दूसरी परम्परा की खोज : नामवर सिंह
12. चिन्तामणि : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
13. बालकृष्ण भट्ट (संकलित निबन्ध) : प्रकाशक एन0 बी0 टी0, दिल्ली
14. हजारी प्रसाद द्विवेदी (संकलित निबन्ध) : प्रकाशक एन0 बी0 टी0, दिल्ली

अंक विभाजन–

⏮	पाठ्य पुस्तक से तीन व्याख्याएं (आन्तरिक विकल्प सहित)	= 03x10 = 30
⏮	04 लघु उत्तरीय प्रश्न (आन्तरिक विकल्प सहित)	= 04x05 = 20
⏮	02 दीर्घ आलोचनात्मक प्रश्न (विकल्प सहित)	= 02x10 = 20
⏮	आन्तरिक मूल्यांकन (लिखित परीक्षा–20, असाइन्मेंट / सेमिनार, क्विज आदि–5, समग्र प्रदर्शन– उपस्थिति आदि–5)	= 20+5+5 = 30
	कुल योग	= 100

एम.ए. (हिन्दी) द्वितीय सेमेस्टर – चतुर्थ प्रश्न पत्र

वैकल्पिक

प्रश्न पत्र का शीर्षक : (क) आधुनिक आख्यानमूलक काव्य

इकाई– निर्धारित पाठ्यक्रम–

1.	– यशोधरा (सम्पूर्ण)	–	मैथिलीशरण गुप्त
2.	– कामायनी (श्रद्धा सर्ग)	–	जयशंकर प्रसाद
3.	– प्रियप्रवास (सर्ग–6, प्रथम 40 छंद)	–	अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
4.	– आत्मजयी (सम्पूर्ण)	–	कुंवर नारायण

सहायक ग्रन्थ–

1. अतीत का हंस	–	प्रभाकर श्रोत्रिय
2. साकेत : एक अध्ययन	–	डॉ0 नगेन्द्र
3. कामायनी : एक पुनर्विचार	–	मुक्तिबोध
4. कामायनी के अध्ययन की समस्याएं	–	डॉ0 नगेन्द्र
5. छायावाद	–	डॉ0 नामवर सिंह
6. छायावाद पुनर्मूल्यांकन	–	सुमित्रानंदन पंत

प्रश्न पत्र का शीर्षक : (ख) मध्यकालीन काव्य की दरबारी परंपरा

इकाई– निर्धारित पाठ्यक्रम–

1.	केशवदास	–	कवि प्रिया (केशव ग्रन्थावली) प्रभाव संख्या–3 (1 से 20)
2.	बिहारी	–	बिहारी रत्नाकर (सं0 जगन्नाथदास रत्नाकर) 50 दोहे– 1, 7, 11, 13, 14, 18, 19, 20, 21, 25, 28, 32, 34, 38, 41, 42, 46, 51, 52, 67, 69, 70, 73, 78, 79, 84, 94, 99, 102, 103, 121, 154, 168, 181, 192, 201, 295, 300, 301, 347, 357, 363, 388, 417, 419, 420, 428, 472, 576
3.	पदमाकर	–	जगद्विनोद (पदमाकर ग्रन्थावली) छंद संख्या– 1 से 20
	भूषण	–	शिवाबावनी (भूषण ग्रन्थावली) छंद संख्या– 1 से 20
4.	मतिराम	–	ललित ललाम (मतिराम ग्रन्थावली, सं0 कृष्ण बिहारी मिश्र) छंद संख्या– 1 से 20
	देव	–	रस विलास (देव ग्रन्थावली) द्वितीय विलास 1 से 20

सहायक ग्रन्थ–

1. केशव की काव्यकला	–	पं0 कृष्णशंकर शुक्ल
2. भूषण ग्रन्थावली	–	सं0 डॉ0 भगीरथ दीक्षित
3. मध्यकालीन काव्य एवं प्रतिनिधि कवि	–	डॉ0 सत्यप्रकाश मिश्र
4. रीतिकाव्य की भूमिका	–	डॉ0 नगेन्द्र
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास	–	सं0 डॉ0 नगेन्द्र, डॉ0 हरदयाल
6. बिहारी	–	आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
7. आचार्य केशव	–	डॉ0 हीरालाल दीक्षित

अंक विभाजन–

⏮	पाठ्य पुस्तक से तीन व्याख्याएं (आन्तरिक विकल्प सहित)	= 03x10 = 30
⏮	04 लघु उत्तरीय प्रश्न (आन्तरिक विकल्प सहित)	= 04x05 = 20
⏮	02 दीर्घ आलोचनात्मक प्रश्न (विकल्प सहित)	= 02x10 = 20
⏮	आन्तरिक मूल्यांकन (लिखित परीक्षा–20, असाइन्मेंट/सेमिनार, क्विज आदि–5, समग्र प्रदर्शन– उपस्थिति आदि–5)	= 20+5+5 = 30
	कुल योग	= 100

माइनर इलैक्टिव (MINOR ELECTIVE)

निम्न में से किसी एक साहित्यकार को चुनें :–

प्रश्न पत्र का शीर्षक : (क) जयशंकर प्रसाद

इकाई– निर्धारित पाठ्यक्रम–

1. प्रसाद की जीवनी और साहित्यिक प्रवृत्तियों का उदय।
   प्रसाद साहित्य की पृष्ठभूमि।

2. प्रसाद साहित्य की कोटियां : काव्य नाटक, उपन्यास, कहानी, निबन्ध और आलोचना।
प्रसाद का जीवनगत दृष्टिकोण और भारतीय दर्शन

3. आधुनिक हिन्दी साहित्य और प्रसाद
प्रसाद का काव्य–साहित्य : झरना, लहर, आंसू और कामायनी का विशेष अध्ययन

4. प्रसाद का नाटक साहित्य– अजातशत्रु से लेकर ध्रुवस्वामिनी तक।

5. प्रसाद के उपन्यास : कंकाल, तितलीं और इरावती।
प्रसाद की कहानियां तथा उनका निबंध–साहित्य।

नोट :– व्याख्या केवल कामायनी (चिन्ता, श्रद्धा, इड़ा एवं आनन्द सर्ग) और आंसू से पूछी जाएगी।

सहायक ग्रन्थ–

1. जयशंकर प्रसाद	–	नन्द दुलारे वाजपेयी
2. कामायनी : एक पुनर्विचार	–	मुक्तिबोध
3. कामायनी के अध्ययन की समस्याएं	–	नगेन्द्र
4. प्रसाद का काव्य	–	प्रेमशंकर
5. प्रसाद के नाटकों का पुनर्मूल्यांकन	–	सिद्धनाथ कुमार
6. कामायनी–अनुशीलन	–	रामलाल सिंह
7. कामायनी की पारिभाषिक शब्दावली	–	वैदज्ञ आर्य
8. प्रसाद के नाटकों का स्वरूप और संरचना	–	गोविन्द चातक
9. प्रसाद का कथा–साहित्य	–	जगदीश प्रसाद श्रीवास्तव
10. कामायनी की आलोचना–प्रक्रिया	–	गिरिजाराय
11. प्रसाद की रचनाओं में संस्कारगत परिवर्तनों का अध्ययन	–	अनूप कुमार
12. प्रसाद का गद्य	–	सूर्य प्रसाद दीक्षित

अंक विभाजन–

- पाठ्य पुस्तक से तीन व्याख्याएं (आन्तरिक विकल्प सहित) = 03x10 = 30
- 04 लघु उत्तरीय प्रश्न (आन्तरिक विकल्प सहित) = 04x05 = 20
- 02 दीर्घ आलोचनात्मक प्रश्न (विकल्प सहित) = 02x10 = 20
- आन्तरिक मूल्यांकन
(लिखित परीक्षा–20, असाइन्मेंट/सेमिनार, क्विज आदि–5,
समग्र प्रदर्शन– उपस्थिति आदि–5) = 20+5+5 = 30
कुल योग = 100

प्रश्न पत्र का शीर्षक : (ख) प्रेमचन्द्र

इकाई– निर्धारित पाठ्यक्रम–

1. हिन्दी के उपन्यास तथा कहानी साहित्य में प्रेमचन्द्र का स्थान
प्रेमचन्द्र की जीवनी और रचनाएं

2. प्रेमचन्द्र और उनका युग : प्रेमचन्द्र–साहित्य की पृष्ठभूमि

3. प्रेमचन्द्र–साहित्य के विविध रूप : उपन्यास, कहानी, नाटक, निबन्ध आदि

4. प्रेमचन्द्र का जीवन–दर्शन
प्रेमचन्द्र–साहित्य के स्रोत

5. प्रेमचन्द्र की उपन्यास–कला और कहानी–कला

नोट :– प्रेमचन्द्र के कहानी साहित्य तथा स्फुट रचनाओं और निबन्धों का अध्ययन।

सहायक ग्रन्थ–

1. प्रेमचन्द्र : साहित्यिक विवेचना	–	नन्द दुलारे
2. कलम का सिपाही, प्रेमचन्द्र की प्रासंगिकता	–	अमृतराय
3. प्रेमचन्द्र– घर में	–	शिवरानी देवी
4. प्रेमचन्द्र : एक विवेचन	–	रामविलास शर्मा
5. प्रेमचन्द्र : परिचर्चा	–	प्रो0 कल्याणमल लोढ़ा
6. गोदान (मूल्यांकन माला)	–	राजेश्वर गुरु
7. प्रेमचन्द्र	–	विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
8. प्रेमचन्द्र की उपन्यास–यात्रा नव–मूल्यांकन	–	शैलेश जैदी
9. प्रेमचन्द्र	–	कमल किशोर गोयनका
10. प्रेमचन्द्र का सौन्दर्य शास्त्र	–	नवल किशोर नवल
11. प्रेमचन्द्र और भारतीय किसान	–	रामवृक्ष
12. प्रेमचन्द्र के पात्र	–	कोयल कोठारी
13. कलम का मजदूर	–	मदन गोपाल

अंक विभाजन–

⏮ 4 लघु उत्तरीय प्रश्न
(कुल 8 प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को
4 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे) प्रत्येक प्रश्न 07 अंक का होगा = 04 x 07 = 28

⏮ 3 दीर्घ उत्तरीय आलोचनात्मक प्रश्न
(कुल 6 प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को 3 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे)
प्रत्येक प्रश्न 14 अंक का होगा = 03 x 14 = 42

⏮ आन्तरिक मूल्यांकन
(लिखित परीक्षा–20, असाइन्मेंट/सेमिनार, क्विज आदि–5,
समग्र प्रदर्शन– उपस्थिति आदि–5) = 20+5+5 = 30
कुल योग = 100

प्रश्न पत्र का शीर्षक : (ग) हजारी प्रसाद द्विवेदी

इकाई– निर्धारित पाठ्यक्रम–

1. हजारी प्रसाद द्विवेदी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

1. इतिहास – लेखन
2. इतिहास – दृष्टि

(आलोचनात्मक प्रश्न)

2. हजारी प्रसाद द्विवेदी की आलोचना दृष्टि

सूर – सम्बन्धी आलोचना

3. कबीर – सम्बन्धी आलोचना

(आलोचनात्मक प्रश्न)

4. उपन्यास

बाणभट्ट लेख
चारुचन्द्र लेख
अनामदास का पोथा

(आलोचनात्मक प्रश्न)

5. ललित निबन्ध

अशोक के फूल (निबन्ध–संग्रह)

(आलोचनात्मक प्रश्न एवं व्यावहारिक समीक्षा)

सहायक ग्रन्थ–

1. दूसरी परम्परा की खोज – डॉ0 नामवर सिंह
2. शांति निकेतन से शिवालिक तक – सं0 शिव प्रसाद सिंह
3. आधुनिकता और हिन्दी उपन्यास – डॉ0 इन्द्रनाथ सिंह
4. आचार्य हजारी प्रासद द्विवेदी की आलोचनात्मक दृष्टि – श्री चन्द्रदेव यादव
5. साहित्य और इतिहास–दृष्टि – डॉ0 मैनेजर पाण्डे

अंक विभाजन–

- 4 लघु उत्तरीय प्रश्न
(कुल 8 प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को
4 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे) प्रत्येक प्रश्न 07 अंक का होगा = 04 x 07 = 28
- 3 दीर्घ उत्तरीय आलोचनात्मक प्रश्न
(कुल 6 प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को 3 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे)
प्रत्येक प्रश्न 14 अंक का होगा = 03 x 14 = 42
- आन्तरिक मूल्यांकन
(लिखित परीक्षा–20, असाइन्मेंट/सेमिनार, क्विज आदि–5,
समग्र प्रदर्शन– उपस्थिति आदि–5) = 20+5+5 = 30
कुल योग = 100

प्रश्न पत्र का शीर्षक : (घ) कृष्णा सोबती
इकाई– निर्धारित पाठ्यक्रम–

1. जीवन–वृत्त
2. साहित्यकार के रूप में कृष्णा सोबती का व्यक्तित्व
3. महिला उपन्यासकार के रूप में कृष्णा सोबती का योगदान
4. डार से बिछुड़ी, मित्रों मरजानी, यारों के यार
5. जिन्दगीनामा, जिंदारूख, बादल के घेरे कृतियों का अध्ययन

सहायक ग्रन्थ–

1. कृष्णा सोबती का उपन्यास साहित्य – डॉ0 मंजुला कुलश्रेष्ठ
2. कृष्णा सोबती का कथा साहित्य – डॉ0 प्रेमलता
3. कृष्णा सोबती के कथा साहित्य में आधुनिक भाव–बोध – डॉ0 राजेन्द्र सिंह चौधरी
4. कृष्णा सोबती के उपन्यासों का शिल्प विधान – डॉ0 रमा शर्मा।

अंक विभाजन–

- 4 लघु उत्तरीय प्रश्न
(कुल 8 प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को
4 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे) प्रत्येक प्रश्न 07 अंक का होगा = 04 x 07 = 28
- 3 दीर्घ उत्तरीय आलोचनात्मक प्रश्न
(कुल 6 प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को 3 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे)
प्रत्येक प्रश्न 14 अंक का होगा = 03 x 14 = 42
- आन्तरिक मूल्यांकन
(लिखित परीक्षा–20, असाइन्मेंट/सेमिनार, क्विज आदि–5,
समग्र प्रदर्शन– उपस्थिति आदि–5) = 20+5+5 = 30
कुल योग = 100

एम.ए. (हिन्दी) तृतीय सेमेस्टर – प्रथम प्रश्न पत्र

प्रश्न पत्र का शीर्षक : आधुनिक हिन्दी काव्य (छायावाद पर्यन्त)

इकाई– निर्धारित पाठ्यक्रम–

1. – जगन्नाथदास 'रत्नाकर' उद्धव शतक (व्याख्या हेतु प्रारंभिक 25 पद), नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
2. – मैथिलीशरण गुप्त : साकेत (व्याख्या के लिए केवल नवम सर्ग), साकेत प्रकाशन, चिरगांव, झांसी।
3. – जयशंकर प्रसाद : कामायनी (व्याख्या के लिए केवल लज्जा सर्ग), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
4. – सूर्यकांत त्रिपाठी निराला : राग–विराग, संपा0 रामविलास शर्मा (व्याख्या के लिए राम की शक्तिपूजा), लोकभारती प्रकाशन, महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद।
5. – सुमित्रानन्दन पंत : रश्मिबंध (व्याख्या के लिए प्रारम्भिक 15 कविताएं), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

   महादेवी वर्मा : संधिनी (व्याख्या के लिए कविता संख्या 25 से 40 तक), लोकभारती प्रकाशन, महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद।

सहायक ग्रन्थ–

1. मैथिलीशरण गुप्त एक मूल्यांकन	–	डॉ0 नगेन्द्र
2. साकेत : एक अध्ययन	–	डॉ0 नगेन्द्र
3. आधुनिक हिन्दी कविता	–	विश्वनाथ तिवारी
4. निराला	–	डॉ0 रामविलास शर्मा
5. निराला : कवि छवि	–	डॉ0 नन्दकिशोर नवल
6. सुमित्रानन्दन पन्त	–	सम्पादक बच्चन
7. प्रसाद, निराला और पन्त	–	विजय बहादुर सिंह
8. महादेवी	–	गंगा प्रसाद पाण्डेय
9. महादेवी	–	इन्द्रनाथ मदान
10. उद्धव शतक	–	सम्पादक विजयेन्द्र स्नातक

अंक विभाजन–

⏮	पाठ्य पुस्तक से तीन व्याख्याएं (आन्तरिक विकल्प सहित)	= 03x10 = 30
⏮	04 लघु उत्तरीय प्रश्न (आन्तरिक विकल्प सहित)	= 04x05 = 20
⏮	02 दीर्घ आलोचनात्मक प्रश्न (विकल्प सहित)	= 02x10 = 20
⏮	आन्तरिक मूल्यांकन (लिखित परीक्षा–20, असाइन्मेंट/सेमिनार, क्विज आदि–5, समग्र प्रदर्शन– उपस्थिति आदि–5)	= 20+5+5 = 30
	कुल योग	= 100

एम.ए. (हिन्दी) तृतीय सेमेस्टर – द्वितीय प्रश्न पत्र

प्रश्न पत्र का शीर्षक : छायावादोत्तर काव्य

इकाई– निर्धारित पाठ्यक्रम–

1. **अज्ञेय–** कविताएं : 1. नदी के द्वीप, एवं 2. असाध्य वीणा।

2. **मुक्तिबोध–** कविता : अंधेरे में।
3. **नागार्जुन–** निर्धारित चार कविताएं : 1. अकाल और उसके बाद, 2. प्रतिबद्ध हूँ, 3. बादल को घिरते देखा है, 4. शासन की बन्दूक।
   शमशेर बहादुर सिंह– निर्धारित दो कविताएं : मैं भारत गुण गौरव गाता, 2. अमन का राग।
4. **भवानी प्रसाद मिश्र–** निर्धारित दो कविताएं : 1. गीत फरोश, 2. सतपुड़ा के घने जंगल।
   रघुवीर सहाय– निर्धारित दो कविताएं : 1. रामदास, 2. हँसो हँसो जल्दी हँसो।
5. **केदारनाथ सिंह–** निर्धारित दो कविताएं : 1. पानी की प्रार्थना, 2. कुदाल।
   धूमिल– निर्धारित कविता : पटकथा।

सहायक ग्रन्थ–

1. प्रतिबद्धता और मुक्तिबोध का काव्य : प्रभात त्रिपाठी, वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर।
2. मुक्तिबोध ज्ञान संवेदना : नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. मुक्तिबोध की कविताई : अशोक चक्रधर, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
4 नागार्जुन की कविता : अजय तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
5. नागार्जुन : सं0 प्रभाकर माचवे, राजपाल एण्ड संस, कश्मीरी गेट, दिल्ली।
6. कवियों का कवि शमशेर : रंजना अरगड़े, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. कवियों का कवि शमशेर : सविता भार्गव, स्वराज्य, नई दिल्ली।
8. तार सप्तक : संपा0 अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।
9. दूसरा सप्तक : संपा0 अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।
10. तीसरा सप्तक : संपा0 अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।
11. अज्ञेय का काव्य : शब्द और सत्य : अशोक वाजपेयी, पूर्वोदय प्रकाशन, नई दिल्ली।
12. अज्ञेय कवि और काव्य : डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
13. अज्ञेय की काव्य तितीर्षा : नंदकिशोर आचार्य, वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर।
14. भवानी प्रसाद मिश्र : सं0 विजय बहादुर सिंह, राजपाल एण्ड संस, कश्मीरी गेट, दिल्ली।
15. भवानी प्रसाद मिश्र का काव्य संसार : कृष्णदत्त पालीवाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
16. कविता और संवेदना : विजयबहादुर सिंह, रामकृष्ण प्रकाशन, विदिशा, म0प्र0।
17. समकालीन काव्ययात्रा : नन्दकिशोर नवल, किताबघर, नई दिल्ली।

अंक विभाजन–

- पाठ्य पुस्तक से तीन व्याख्याएं (आन्तरिक विकल्प सहित) = 03x10 = 30
- 04 लघु उत्तरीय प्रश्न (आन्तरिक विकल्प सहित) = 04x05 = 20
- 02 दीर्घ आलोचनात्मक प्रश्न (विकल्प सहित) = 02x10 = 20
- आन्तरिक मूल्यांकन
  (लिखित परीक्षा–20, असाइन्मेंट/सेमिनार, क्विज आदि–5,
  समग्र प्रदर्शन– उपस्थिति आदि–5) = 20+5+5 = 30
  कुल योग = 100

एम.ए. (हिन्दी) तृतीय सेमेस्टर – तृतीय प्रश्न पत्र

प्रश्न पत्र का शीर्षक : काव्यशास्त्र एवं समालोचना
इकाई– निर्धारित पाठ्यक्रम–

भारतीय काव्यशास्त्र :

1. –काव्य–लक्षण, काव्य–हेतु, काव्य–प्रयोजन, काव्य के प्रकार।

–रस सिद्धांत, रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, रस के अंग, साधारणीकरण
–अलंकार–सिद्धांत, रीति की अवधारणा, काव्य–गुण, रीति एवं शैली, रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएं।

2. –वक्रोक्ति–सिद्धांत : वक्रोक्ति अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद, ध्वनि–सिद्धांत, ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि–सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएं, गुणीभूत–व्यंग्य, चित्र काव्य।
– औचित्य सिद्धांत : प्रमुख स्थापनाएं, औचित्य के भेद।

3. **पाश्चात्य काव्यशास्त्र :**
पाश्चात्य काव्यशास्त्र : संक्षिप्त परिचय, प्लेटो के काव्य सिद्धांत, अरस्तू : अनुकरण सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत एवं त्रासदी विवेचन, लॉजाइन्स : उदात्त की अवधारणा एवं भेद।

4. मैथ्यू आर्नल्ड : कला और नैतिकता का सिद्धांत, क्रोचे : अभिव्यंजनावाद, आई0ए0 रिचर्ड्स : काव्यमूल्य, टी0एस0 इलियट : कला की निर्वैयक्तिक कला का सिद्धांत।
वर्ड्सवर्थ : काव्यभाषा सिद्धांत, कालरिज : कल्पना सिद्धांत।

5. **समालोचना का स्वरूप एवं प्रवृत्तियां :**
– समालोचना का उद्भव और विकास।
– समालोचना की उपयोगिता।
– अच्छे समालोचक में अपेक्षित विशेषताएं।
– समालोचना की प्रमुख प्रवृत्तियां : शास्त्रीय, व्यक्तिवादी, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, प्रभाववादी, मनोविश्लेषणवादी, सौन्दर्यशास्त्रीय, शैली वैज्ञानिक, समाजशास्त्रीय।

सहायक ग्रन्थ–

1. रसमीमांसा	–	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. साहित्यालोचन	–	डॉ0 शिवदान सिंह चौहान
3. काव्यशास्त्र की भूमिका	–	डॉ0 नगेन्द्र
4. भारतीय काव्यशास्त्र	–	डॉ0 सत्यदेव चौधरी
5. नई समीक्षा के प्रतिमान	–	डॉ0 निर्मला जैन
6. हिन्दी आलोचना	–	डॉ0 विश्वनाथ त्रिपाठी
7. सिद्धान्त और अध्ययन	–	डॉ0 गुलाबराय
8. भारतीय काव्यधारा की परम्परा	–	डॉ0 नगेन्द्र
9. रससिद्धान्त का स्वरूप विश्लेषण	–	डॉ0 आनन्द प्रकाश दीक्षित
10. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धान्त	–	डॉ0 गणपति चन्द्र गुप्त
11. साहित्य समीक्षा के सिद्धान्त–भाग–2	–	डॉ0 गोविन्द त्रिगुणायत
12. हिन्दी आलोचना : उद्भव और विकास	–	डॉ0 भगवत स्वरूप मिश्र
13. भारतीय काव्य शास्त्र एवं पाश्चात्य साहित्य–चिंतन	–	सभापति मिश्र

अंक विभाजन–

- 4 लघु उत्तरीय प्रश्न
(कुल 8 प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को
4 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे) प्रत्येक प्रश्न 07 अंक का होगा = 04 x 07 = 28
- 3 दीर्घ उत्तरीय आलोचनात्मक प्रश्न
(कुल 6 प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को 3 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे)
प्रत्येक प्रश्न 14 अंक का होगा = 03 x 14 = 42
- आन्तरिक मूल्यांकन
(लिखित परीक्षा–20, असाइन्मेंट/सेमिनार, क्विज आदि–5,
समग्र प्रदर्शन– उपस्थिति आदि–5) = 20+5+5 = 30
कुल योग = 100

एम.ए. (हिन्दी) तृतीय सेमेस्टर – चतुर्थ प्रश्न पत्र

वैकल्पिक
प्रश्न पत्र का शीर्षक : (क) पत्रकारिता
इकाई– निर्धारित पाठ्यक्रम–

1. – पत्रकारिता का उद्‌भव एवं विकास
– भारतीय भाषाओं के पत्रों का उदय
– स्वतन्त्रता और उसके बाद की पत्रकारिता

2. – पत्रकारिता : अर्थ और स्वरूप
– पत्रकारिता का अर्थ
– पत्रकारिता का महत्व
– पत्रकारिता के प्रमुख प्रकार

3. – संपादन कला
– समाचार–संकलन
– शीर्षक, पृष्ठ–विन्यास, आमुख और समाचार पत्र की प्रस्तुति–प्रक्रिया
– ले–आउट तथा पृष्ठ सज्जा, दृश्य सामग्री (कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स)
– समाचार के विभिन्न स्रोत
– समाचार समितियां

4. – संपादक के कार्य
– उपसंपादक
– संवाददाता तथा विशेष संवाददाता
– दैनिक, मासिक, साप्ताहिक पत्रिका का संपादन

5. – पत्रकारिता से संबंधित लेखन :
– संपादकीय, अग्रलेख
– फीचर–लेखन, साक्षात्कार, रिपोर्ताज, विज्ञापन आदि
– प्रेस–सम्बन्धी प्रमुख कानून तथा पत्रकारों के लिए आचार–संहिता

सहायक ग्रन्थ–

1. पं0 बालकृष्ण भट्‌ट व्यक्तित्व और कृतित्व : डॉ0 मधुकर भट्‌ट, विश्वविद्यालय प्रकाशन, बनारस
2. हिन्दी पत्रकारिता – पं0 कृष्ण बिहारी मिश्र
3. हिन्दी समाचार पत्रों का इतिहास – पं0 अबिका प्रसाद वाजपेयी
4. संपादन के सिद्धान्त – डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
5. पत्रकारिता के विविध रूप – डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
6. समाचार पत्र : संपादन कला – पं0 अंबिका प्रसाद वाजपेयी
7. समाचार संपादन एवं पृष्ठ सज्जा – डॉ0 रमेश कुमार जैन
8. समाचार, फीचर–लेखन और संपादन कला – डॉ0 हरि मोहन
9. पत्रकारिता के मूल तत्व – डॉ0 ए0आर0 डगवाल
10. स्वतन्त्रता आंदोलन और हिन्दी पत्रकारिता – डॉ0 अर्जुन तिवारी
11. हिन्दी पत्रकारिता : कल और आज – डॉ0 सुरेश तिवारी
12. पत्रकारिता की चुनौतियां – श्री गणेश मंत्री
13. पत्रकारिता के परिदृश्य – श्री जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी
14. हिन्दी इंटरव्यू : उद्‌भव और विकास – डॉ0 विष्णु पंकज
15. पत्रकारिता : प्रशिक्षण एवं प्रेस विधि – डॉ0 सुजाता वर्मा

16. समाचार पत्र एवं समाचार प्रेषण	–	प्रो0 विजय कुलश्रेष्ठ
	–	डॉ0 बीना रुस्तगी /
17. विज्ञापन और संरचना	–	डॉ0 बबलू सिंह
18. हिन्दी पत्रकारिता का स्वरूप : चुनौतियाँ एवं संभावनाएं	–	सम्पादक डॉ0 बबलू सिंह

अंक विभाजन–

- 4 लघु उत्तरीय प्रश्न
  (कुल 8 प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को
  4 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे) प्रत्येक प्रश्न 07 अंक का होगा = 04 x 07 = 28
- 3 दीर्घ उत्तरीय आलोचनात्मक प्रश्न
  (कुल 6 प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को 3 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे)
  प्रत्येक प्रश्न 14 अंक का होगा = 03 x 14 = 42
- आन्तरिक मूल्यांकन
  (लिखित परीक्षा–20, असाइन्मेंट / सेमिनार, क्विज आदि–5,
  समग्र प्रदर्शन– उपस्थिति आदि–5) = 20+5+5 = 30
  कुल योग = 100

प्रश्न पत्र का शीर्षक : (ख) अनुवाद
इकाई– निर्धारित पाठ्यक्रम–

1. अनुवाद की सामाजिक, सांस्कृतिक भूमिका,
   भूमंडलीकरण के दौर में अनुवाद, उपलब्ध रूप, अनुदित सामग्री की समीक्षा
2. अनुवाद के सैद्धांतिक आयाम
   अनुवाद अर्थ, स्वरूप और विस्तार
   अनुवाद और भाषा का सम्बन्ध
   स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा से अभिप्राय
   अनुवाद की प्रासंगिकता
3. अनुवाद की प्रक्रिया
   अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकार
   अनुवाद की सीमाएं एवं समस्याएं
4. अनुवाद पुनरीक्षण– मूल्यांकन
   तत्काल भाषान्तरण– अर्थ, स्वरूप और प्रक्रिया
   अनुवाद और तत्काल भाषान्तरण में अन्तर
5. साहित्यिक अनुवाद : काव्यानुवाद एवं गद्यानुवाद
   कार्यालयी अनुवाद
   मीडिया और अनुवाद
   बैंक, बीमा, वित्त और वाणिज्य में अनुवाद

सहायक ग्रन्थ–

1. अनुवाद विज्ञान	–	डॉ0 नगेन्द्र
2. अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत सिद्धि	–	अवधेश मोहन गुप्त
3. अनुवाद विज्ञान	–	गार्गी गुप्ता
4. अनुवाद : सिद्धांत और समस्याएं	–	डॉ0 रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
5. अनुवाद : सिद्धांत और प्रयोग	–	जी. गोपीनाथन
6. अनुवाद कला	–	डॉ0 एन0ई0 विश्वनाथ अय्यर

7. अनुवाद का भाषिक सिद्धांत — जे0सी0 कैटफोर्ड
8. अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत एवं अनुप्रयोग — डॉ0 नगेन्द्र
9. अनुवाद सिद्धान्त एवं प्रक्रिया — प्रो0 विजय कुलश्रेष्ठ

अंक विभाजन–

- 4 लघु उत्तरीय प्रश्न
  (कुल 8 प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को
  4 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे) प्रत्येक प्रश्न 07 अंक का होगा = 04 x 07 = 28
- 3 दीर्घ उत्तरीय आलोचनात्मक प्रश्न
  (कुल 6 प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को 3 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे)
  प्रत्येक प्रश्न 14 अंक का होगा = 03 x 14 = 42
- आन्तरिक मूल्यांकन
  (लिखित परीक्षा–20, असाइन्मेंट/सेमिनार, क्विज आदि–5,
  समग्र प्रदर्शन– उपस्थिति आदि–5) = 20+5+5 = 30
  कुल योग = 100

एम.ए. (हिन्दी) तृतीय सेमेस्टर – माइनर इलैक्टिव

प्रश्न पत्र का शीर्षक : (क) प्रयोजन मूलक हिन्दी एवं आधुनिक जनसंचार
इकाई– निर्धारित पाठ्यक्रम–

1. अनुवाद एवं द्विभाषकी (इण्टरप्रटेशन)

अनुवाद की परिभाषा
वर्तमान भारतीय बहुभाषीय स्वरूप में उपयोग
इण्टरप्रटेशन–
क. परिभाषा एवं उपादेयता
ख. द्विभाषिकी में ध्यान रखने योग्य बातें।

2. संचार माध्यम

प्रिंट मीडिया
1. समाचार पत्र के अवयव
2. समाचार पत्रों में सम्पादकीय की महत्ता
3. समाचार और तटस्थता
4. पत्रकारों के लिए निर्धारित आचार–संहिता

3. इलैक्टॉनिक मीडिया

श्रव्य – आकाशवाणी एवं मल्टीमीडिया,
आकाशवाणी कार्यक्रम – अ. स्वरूप और प्रकार
आ. समाचार, वार्ता, कहानी, फीचर, रेडिया–रूपक आदि

4. श्रव्य एवं दृश्य –
दूरदर्शन कार्यक्रम – स्वरूप और प्रकार,
दूरदर्शन में राष्ट्रीय चैनल और अन्य विविध चैनल
दूरदर्शन कार्यक्रमों में विज्ञापन की भूमिका
समाचार, धारावाहिक, फीचर, टेलीफिल्म, सीधा प्रसारण, आदि कार्यक्रमों को तैयार करने की प्रविधियां तथा प्रस्तुति

5. इण्टरनेट, ई–मेल, टेली–कॉन्फ्रेसिंग आदि अधुनातन विधाओं का सूक्ष्म परिचय

सहायक ग्रन्थ :

1. सूचना क्रान्ति और विश्व भाषा हिन्दी	–	डॉ0 हरिमोहन
2. जनसम्पर्क, विज्ञापन एवं प्रसार माध्यम	–	डॉ0 एन0सी0 पंत
3. इंटरनेट पत्रकारिता	–	सुरेश कुमार
4. कम्प्यूटर और हिन्दी	–	डॉ0 हरिमोहन
5. हिन्दी इन्टरव्यू उद्भव और विकास	–	डॉ0 विष्णु पंकज
6. पत्रकारिता : प्रशिक्षण एवं पृष्ठ–सज्जा	–	डॉ0 रमेश कुमार जैन
7. सूचना प्रौद्योगिकी और जन–माध्यम	–	डॉ0 हरिमोहन
8. संपादन के सिद्धान्त	–	श्री रामचन्द्र तिवारी
9. समाचार–संपादन एवं पृष्ठ–सज्जा	–	डॉ0 रमेश कुमार जैन
10. प्रयोजन मूलक हिन्दी	–	डॉ0 विजय कुलश्रेष्ठ / डॉ0 राम प्रकाश कुलश्रेष्ठ
11. हिन्दी पत्रकारिता और राष्ट्रीय एकता	–	डॉ0 हरिमोहन, जयंत शुक्ल
12. पत्रकारिता– इतिहास और प्रश्न	–	कृष्ण बिहारी मिश्र
13. हिन्दी पत्रकारिता स्वरूप, आयाम और संभावना	–	डॉ0 पदमा पाटिल, डॉ0 महेश दिवाकर
14. दूरसंचार : नई दिशाएं	–	डॉ0 सी0एल0 गर्ग
15. संचार क्रांति और हिन्दी पत्रकारिता	–	अशोक कुमार शर्मा

अंक विभाजन–

- 4 लघु उत्तरीय प्रश्न
  (कुल 8 प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को
  4 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे) प्रत्येक प्रश्न 07 अंक का होगा = 04 x 07 = 28
- 3 दीर्घ उत्तरीय आलोचनात्मक प्रश्न
  (कुल 6 प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को 3 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे)
  प्रत्येक प्रश्न 14 अंक का होगा = 03 x 14 = 42
- आन्तरिक मूल्यांकन
  (लिखित परीक्षा–20, असाइन्मेंट / सेमिनार, क्विज आदि–5,
  समग्र प्रदर्शन– उपस्थिति आदि–5) = 20+5+5 = 30
  कुल योग = 100

प्रश्न पत्र का शीर्षक : (ख) हिन्दी का लोक साहित्य

इकाई– निर्धारित पाठ्यक्रम–

1. **– लोक साहित्य : अवधारणाएं**
   – लोक, लोकवार्ता, लोकसंस्कृति और लोकसाहित्य।
   – लोकवार्ता की विशालता और व्यापकता।
   – भारत में लोकवार्ता के अध्ययन का इतिहास।
   – वर्तमान अभिजात साहित्य और लोकसाहित्य का अन्तःसम्बन्ध।
2. – हिन्दी के लोकसाहित्य का सामान्य परिचय।
   – हिन्दी के विभिन्न जनपदों में लोक साहित्य सम्बन्धी कार्य का संक्षिप्त इतिहास।
   – लोकसाहित्य के अग्रणी विद्वानों के कार्य की समीक्षा और मूल्यांकन।
   – हिन्दी लोक साहित्य की समस्याएं।
   – लोकसाहित्य की अध्ययन–प्रक्रिया एवं संकलन की समस्याएं।
3. **– लोकसाहित्य के संगीत प्रधान रूपों का वर्गीकरण**

– लोकगीत : संस्कारगीत, व्रतगीत, श्रमगीत, ऋतुगीत, जातिगीत
– लोकनाट्य एवं लोकनृत्यनाट्य– रामलीला, कीर्तनियां, स्वांग, संगीत, यक्षगान, भावाई संपेड़ा, विदेसिया, पंडवानी, भांड, तमाशा, नौटंकी, जात्रा, कथकली।
– हिन्दी लोकनाट्य की परम्परा एवं प्रविधि।
– लोकनाट्यों की विशेषताएं और लोकमंच का स्वरूप एवं उसके उपादान।
– लोकनाट्यों की लोकप्रियता के कारण।
– लोकसंगीत लोकवाद्य तथा विशिष्ट लोक धुनें।

4. – लोककथा एवं लोकगाथा

– लोककथा : व्रत–कथा, परी–कथा, नाग–कथा, बोध–कथा,
– कथानक–रूढ़ियां।
– लोकगाथा : ढोला–मारू।
– लोकगाथाओं की उत्पत्ति–सम्बन्धी मतों की समीक्षा।
– लोककथाओं की विशेषताएं।
– आधुनिक कहानी और लोककथा में अन्तर।

5. – लोकसुभाषितों, कहावतों और पहेलियों के भेद, उनकी विशेषताएं।

सहायक ग्रन्थ–

1. हिन्दी साहित्य का वृहद इतिहास (सोलहवां भाग)	–	पं0 राहुल सांकृत्यायन
2. हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास	–	पं0 कृष्णदेव उपाध्याय
3. लोक साहित्य की भूमिका	–	पं0 कृष्णदेव उपाध्याय
4. भारतीय लोक साहित्य	–	श्री श्याम परमार
5. लोकसाहित्य एवं लोकस्वर	–	पं0 विद्यानिवास मिश्र
6. खड़ी बोली के लोक साहित्य का अध्ययन	–	डॉ0 सत्या गुप्ता
7. लोकसाहित्य के प्रतिमान	–	डॉ0 कुंदनलाल उप्रेती
8. भोजपुरी गाथा	–	डॉ0 सत्यव्रत सिन्हा
9. अवधी लोकगीत और परम्परा	–	इन्दु प्रकाश पाण्डे
10. ब्रज लोक साहित्य का अध्ययन	–	डॉ0 सत्येन्द्र
11. मैथिली लोकगीत	–	राम इकबाल सिंह 'राकेश'
12. राजस्थानी लोकगीत	–	सूर्य पारिख

अंक विभाजन–

- 4 लघु उत्तरीय प्रश्न
  (कुल 8 प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को
  4 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे) प्रत्येक प्रश्न 07 अंक का होगा = 04 x 07 = 28
- 3 दीर्घ उत्तरीय आलोचनात्मक प्रश्न
  (कुल 6 प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को 3 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे)
  प्रत्येक प्रश्न 14 अंक का होगा = 03 x 14 = 42
- आन्तरिक मूल्यांकन
  (लिखित परीक्षा–20, असाइन्मेंट/सेमिनार, क्विज आदि–5,
  समग्र प्रदर्शन– उपस्थिति आदि–5) = 20+5+5 = 30
  कुल योग = 100

एम.ए. (हिन्दी) चतुर्थ सेमेस्टर – प्रथम प्रश्न पत्र

प्रश्न पत्र का शीर्षक : अस्मितामूलक विमर्श

इकाई– निर्धारित पाठ्यक्रम–

1. – अस्मिता की अवधारणा व सिद्धांत
   – भूमंडलीकरण व अस्मिता
2. – जेंडर की अवधारणा, स्त्रीवादी चिंतकों की अवधारणाएं
   – जेंडर, क्लास, भाषा और साहित्य
3. – दलित अस्मिता और साहित्य
   – प्रमुख दलित चिन्तक व उनकी अवधारणाएं
4. – हाशिए की अस्मिताएं व विविध विमर्श

सहायक ग्रन्थ–

1. आधुनिकता और आधुनिकीकरण : रमेश कुंतल मेघ
2. स्त्री उपेक्षिता (सिमोन बोउवार) : अनुवाद प्रभा खेतान
3. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र : ओमप्रकाश वाल्मीकि (वाणी प्रकाशन)
4. दलित साहित्य का स्त्रीवादी स्वर : विमल थोरात
5. दलित साहित्य की अवधारणा : कंवल भारती
6. दलित विमर्श साहित्य के आईने में : डॉ0 जय प्रकाश कर्दम
7. दलित साहित्य– आशय, आन्दोलन और अवधारणा : डॉ0 रामचन्द्र
8. हाशिये का विमर्श : सुशीला टाक भोंरे
9. समकालीन नारीवाद और दलित स्त्री का प्रतिरोध : अनिता भारती
10. स्त्री और समकालीन दुनिया : सम्पादक डॉ0 अजय कुमार
11. आलोचना का स्त्री पक्ष : सुजाता
12. स्त्रीत्व का मानचित्र : अनामिका
13. स्त्री : स्वरूप और संकल्प : रोहिणी अग्रवाल
14. स्त्री संघर्ष का इतिहास : राधा कुमार
15. 21वीं सदी और साहित्य विमर्श : सम्पादक डॉ0 बबलू सिंह / डॉ0 हरेन्द्र कुमार
16. आदिवासी समाज, साहित्य और राजनीति : केदारप्रसाद मीणा
17. मसावात की जंग : अली अनवर
18. आदिवासी दर्शन और साहित्य : वंदना टेटे (सं0)
19. जनजातीय समाज साहित्य और संस्कृति : सम्पादक डॉ0 हेमन्त पाल घृतलहरे

अंक विभाजन–

- 4 लघु उत्तरीय प्रश्न
  (कुल 8 प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को
  4 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे) प्रत्येक प्रश्न 07 अंक का होगा = 04 x 07 = 28
- 3 दीर्घ उत्तरीय आलोचनात्मक प्रश्न
  (कुल 6 प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को 3 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे)
  प्रत्येक प्रश्न 14 अंक का होगा = 03 x 14 = 42
- आन्तरिक मूल्यांकन
  (लिखित परीक्षा–20, असाइन्मेंट / सेमिनार, क्विज आदि–5,
  समग्र प्रदर्शन– उपस्थिति आदि–5) = 20+5+5 = 30
  कुल योग = 100

एम.ए. (हिन्दी) चतुर्थ सेमेस्टर – द्वितीय प्रश्न पत्र

वैकल्पिक

प्रश्न पत्र का शीर्षक : (क) भाषा विज्ञान अथवा भारतीय साहित्य

इकाई– निर्धारित पाठ्यक्रम–

1. भाषा की परिभाषा और लक्षण, भाषा–व्यवस्था और भाषा–व्यवहार, भाषा–संरचना और भाषिक प्रकार्य।
   भाषा विज्ञान : स्वरूप एवं व्याप्ति, अध्ययन की दिशाएं– वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।
2. **स्वनप्रक्रिया**
   स्वनविज्ञान का स्वरूप और शाखाएं, स्वन की अवधारणा और स्वनिम की अवधारणा, स्वनिम के भे स्वनिमिक विश्लेषण।
3. **व्याकरण :**
   रूप–प्रक्रिया का स्वरूप और शाखाएं, रूप–प्रक्रिया की अवधारणा और भेदमुक्त आबद्ध, अर्थदर्शी, रूपिम के भेद और प्रकार्य। वाक्य की अवधारणा, वाक्य के भेद, वाक्य–विश्लेषण गहन–संरचना और बाह्य संरचना।
4. **अर्थविज्ञान :**
   अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का सम्बन्ध, पर्यायता, अनेकार्थता, विलोमता अर्थ–परिवर्तन।

सहायक ग्रन्थ–

1. आधुनिक भाषा–विज्ञान	–	डॉ0 भोलानाथ तिवारी
2. हिन्दी शब्दानुशासन	–	आचार्य किशोरी दास वाजपेयी
3. भाषा–विज्ञान	–	डॉ0 श्याम सुन्दर दास
4. भाषा–विज्ञान एवं भाषा–शास्त्र	–	डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी
5. भाषा–विज्ञान और हिन्दी	–	डॉ0 द्वारिका प्रसाद सक्सेना
6. भाषा–विज्ञान मानक हिन्दी के संदर्भ	–	श्री बालकृष्ण भारद्वाज
7. भाषा–विज्ञान एवं हिन्दी भाषा	–	डॉ0 लक्ष्मीकान्त पांडेय
8. नवीन भाषा–विज्ञान	–	डॉ0 तिलक सिंह
9. भारतीय भाषा शास्त्रीय चिंतन	–	विद्या निवास मिश्र
10. हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान	–	नामवर सिंह
11. पुरानी हिन्दी	–	चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
12. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास	–	उदय नारायण तिवारी
13. हिन्दी भाषा का इतिहास	–	धीरेन्द्र वर्मा
14. भारतीय आर्य भाषा और हिन्दी	–	सुनीति कुमार चटर्जी
15. हिन्दी भाषा उद्भव, विकास और रूप	–	हरदेव बाहरी
16. रूप विज्ञान : सिद्धान्त एवं विनियोग	–	डॉ0 लक्ष्मण प्रसाद सिन्हा जय भारतीय प्रकाशन, इलाहाबाद

अंक विभाजन–

- 4 लघु उत्तरीय प्रश्न
  (कुल 8 प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को
  4 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे) प्रत्येक प्रश्न 07 अंक का होगा $= 04 \times 07 = 28$
- 3 दीर्घ उत्तरीय आलोचनात्मक प्रश्न
  (कुल 6 प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को 3 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे)

प्रत्येक प्रश्न 14 अंक का होगा = 03 x 14 = 42

⏮ आन्तरिक मूल्यांकन
(लिखित परीक्षा–20, असाइन्मेंट/सेमिनार, क्विज आदि–5,
समग्र प्रदर्शन– उपस्थिति आदि–5) = 20+5+5 = 30
कुल योग = 100

प्रश्न पत्र का शीर्षक : (ख) भारतीय साहित्य

इकाई– निर्धारित पाठ्यक्रम–

1. – भारतीय भाषाओं के साहित्य का स्वरूप
   – भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएं
   – भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिंब
   – भारतीयता का समाजशास्त्र
   – हिन्दी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति
2. – गीतांजलि : रवीन्द्रनाथ टैगोर (काव्य)
   – अग्निगर्भ : महाश्वेता देवी (बंगला उपन्यास)
3. – घट श्राद्ध : समग्र कहानियां : यू0आर0 अनन्तमूर्ति (कन्नड़)
   – घासीराम कोतवाल : विजय तेंदुलकर (मराठी) नाटक
4. – वर्षा की सुबह : सीताकान्त महापात्र (उड़िया काव्य)
   – दीवान–ए–ग़ालिब (ग़ज़लें) संपादक अली सरदार जाफरी

(नोट : उक्त पुस्तकों से मात्र आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे)

सहायक ग्रन्थ–

1. भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएं – डॉ0 रामविलास शर्मा
2. भारतीय साहित्य की सांस्कृतिक रेखाएं – डॉ0 परशुराम चतुर्वेदी
3. प्राचीन भारतीय साहित्य मीमांसा – श्री अशोक केलकर
4. भारतीय भाषाएं और राष्ट्रीय अस्मिता – सं0 श्री मुकंद द्विवेदी
5. विश्व साहित्यशास्त्र – श्री वीर भारत तलवार
6. राष्ट्रीय नवजागरण और साहित्य – श्री वीर भारत तलवार
7. साहित्य और संस्कृति – श्री अमृतलाल नागर
8. आज का भारतीय साहित्य – साहित्य अकादमी प्रकाशन
9. भारतीय साहित्य – सं0 डॉ0 नगेन्द्र
10. भारतीय साहित्य– तुलनात्मक अध्ययन – डॉ0 ब्रजेश्वर वर्मा
11. भारतीय साहित्य – डॉ0 लक्ष्मीकांत पांडेय
12. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास – डॉ0 नगेन्द्र (सम्पादक)

अंक विभाजन–

⏮ 4 लघु उत्तरीय प्रश्न
(कुल 8 प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को
4 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे) प्रत्येक प्रश्न 07 अंक का होगा = 04 x 07 = 28

⏮ 3 दीर्घ उत्तरीय आलोचनात्मक प्रश्न
(कुल 6 प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को 3 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे)
प्रत्येक प्रश्न 14 अंक का होगा = 03 x 14 = 42

⏮ आन्तरिक मूल्यांकन
(लिखित परीक्षा–20, असाइन्मेंट/सेमिनार, क्विज आदि–5,
समग्र प्रदर्शन– उपस्थिति आदि–5) = 20+5+5 = 30
कुल योग = 100

एम.ए. (हिन्दी) चतुर्थ सेमेस्टर – तृतीय प्रश्न पत्र

वैकल्पिक
प्रश्न पत्र का शीर्षक : (क) प्राचीन आख्यानमूलक काव्य
इकाई– निर्धारित पाठ्यक्रम–

1. – आख्यान : अर्थ एवं परिभाषा
   हिन्दी की आख्यानमूलक परम्परा
   हिन्दी की आख्यान परम्परा : स्वरूप एवं महत्व
2. – चन्दवरदाई – कयमास बध
3. – मलिक मुहम्मद जायसी – नागमती संदेश खण्ड (जायसी ग्रंथावली)
4. – गोस्वामी तुलसीदास – अयोध्या कांड (श्री रामचरितमानस)

सहायक ग्रन्थ–

1. हिन्दी काव्यधारा – राहुल सांकृत्यायन
2. आदिकालीन हिन्दी साहित्य की सांस्कृतिक पीठिका – डॉ0 राममूर्ति त्रिपाठी
3. राजस्थानी भाषा और साहित्य – मोतीलाल मेनारिया
4. पदमावत – माता प्रसाद गुप्त
5. तुलसी काव्य मीमांसा – उदयभानु सिंह

प्रश्न पत्र का शीर्षक : (ख) आधुनिक काव्य : प्रगीत व मुक्तक परम्परा
इकाई– निर्धारित पाठ्यक्रम–

1. जयशंकर प्रसाद – आँसू
2. महादेवी वर्मा – 1. बीन भी हूँ तुम्हारी, रागिनी भी हूँ
   2. मैं नीर भरी दुख की बदली
   3. मिटने का अधिकार
   4. जाग तुझको दूर जाना
   5. मधुर–मधुर मेरे दीपक जल

   सुमित्रानंदन पंत – 1. प्रथम रश्मि, 2. मौन निमन्त्रण, 3. नौका विहार, 4. द्रुत झरो जगत के जीर्ण पत्र, 5. संध्या
3. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' – 1. सरोज स्मृति, 2. जागो फिर एक बार, 3. कुकुरमुत्ता
4. दुष्यंत कुमार – 1. कहाँ तो तय था चरागाँ हर एक घर के लिए
   2. हो गई है पीर पर्वत सी पिघलनी चाहिए
   3. मैं जिसे ओढ़ता बिछाता हूँ
   4. मत कहो आकाश में कोहरा घना है
   5. हालाते जिस्म, सूरते जाँ और भी खराब

   नजीर अकबराबादी – 1. आदमी–नामा, 2. होली की बहारें, 3. बंजारनामा

सहायक ग्रन्थ–

1. हिन्दी काव्य का इतिहास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
2. वाद विवाद संवाद – नामवर सिंह

3. आधुनिक गीतिकाव्य – डॉ0 उमाशंकर तिवारी
4. हिन्दी गीतिकाव्य परंपरा और मीरा – डॉ0 मंजु तिवारी
5. आधुनिक गीतिकाव्य का शिल्प विधान – डॉ0 मंजु गुप्ता
6. आधुनिक गीतिकाव्य का स्वरूप और विकास – डॉ0 आशा किशोर
7. आधुनिक हिन्दी गीतिकाव्य : रूप विषय और शिल्प– जीवन प्रकाश जोशी

अंक विभाजन–

- पाठ्य पुस्तक से तीन व्याख्याएं (आन्तरिक विकल्प सहित) = 03x10 = 30
- 04 लघु उत्तरीय प्रश्न (आन्तरिक विकल्प सहित) = 04x05 = 20
- 02 दीर्घ आलोचनात्मक प्रश्न (विकल्प सहित) = 02x10 = 20
- आन्तरिक मूल्यांकन
  (लिखित परीक्षा–20, असाइन्मेंट / सेमिनार, क्विज आदि–5,
  समग्र प्रदर्शन– उपस्थिति आदि–5) = 20+5+5 = 30
  कुल योग = 100

एम.ए. (हिन्दी) चतुर्थ सेमेस्टर – चतुर्थ प्रश्न पत्र

वैकल्पिक : किसी एक कवि का विशेष अध्ययन

(क) कबीर, (ख) सूरदास, (ग) तुलसीदास।

प्रश्न पत्र का शीर्षक : (क) कबीर

इकाई– निर्धारित पाठ्यक्रम–

1. मध्यकालीन भक्ति आन्दोलन और उसमें कबीर का स्थान।
   कबीर का जीवन–वृत्त।
   कबीर की रचनाओं की विभिन्न पाठ–परम्पराएं और उनकी प्रामाणिकता।
2. कबीर की रचनाओं का आलोचनात्मक अध्ययन।
   कबीर की विचारधारा : दार्शनिक, सामाजिक, धार्मिक, भक्तिपरक, साधनापरक और उनका विशिष्ट योगदान।
3. कबीर का काव्य, उसकी लोकधर्मी परम्परा, भावाभिव्यक्ति की शैली तथा अन्य विशेषताएं।
   कबीर के काव्य का कलापक्ष, छंद, अलंकार, उलटवासी और उसकी परम्परा।
4. कबीर की भाषा, विविध रूप, मूल, आधार, बोली भाषा : अभिव्यंजना पक्ष।
5. कबीर के सम्पूर्ण कृतित्व का मूल्यांकन।

नोट :– व्याख्या कबीर ग्रन्थावली (सम्पादक माता प्रसाद गुप्त) सम्पूर्ण साखी भाग तथा पद प्रारम्भिक–150

सहायक ग्रन्थ–

1. कबीर वाड्मय खंड–1 – डॉ0 जयदेव सिंह
2. कबीर वाड्मय खंड–2 – डॉ0 जयदेव सिंह
3. कबीर वाड्मय खंड–3 – डॉ0 जयदेव सिंह
4. कबीर ग्रंथावली – डॉ0 माता प्रसाद गुप्त
5. संत कवि कबीर – भवानी दत्त उप्रेती
6. कबीर एक नयी दृष्टि – रघुवंश
7. कबीर का रहस्यवाद – रामकुमार वर्मा
8. कबीर साहित्य की परम्परा – परशुराम चतुर्वेदी
9. कबीर व्यक्ति, कृतित्व एवं सिद्धान्त – सरनाम सिंह शर्मा

10. कबीर की भाषा — माताबदल जायसवाल
11. कबीर के काव्य रूप — नजीर मुहम्मद
12. कबीर की विचारधारा — गोविन्द त्रिगुणायत
13. कबीर मीमांसा — रामचन्द्र तिवारी
14. कबीर — हजारी प्रसाद द्विवेदी
15. कबीर — विजयेन्द्र स्नातक

अंक विभाजन–

- पाठ्य पुस्तक से तीन व्याख्याएं (आन्तरिक विकल्प सहित) = 03x10 = 30
- 04 लघु उत्तरीय प्रश्न (आन्तरिक विकल्प सहित) = 04x05 = 20
- 02 दीर्घ आलोचनात्मक प्रश्न (विकल्प सहित) = 02x10 = 20
- आन्तरिक मूल्यांकन
  (लिखित परीक्षा–20, असाइन्मेंट/सेमिनार, क्विज आदि–5,
  समग्र प्रदर्शन– उपस्थिति आदि–5) = 20+5+5 = 30
  कुल योग = 100

प्रश्न पत्र का शीर्षक : (ख) सूरदास

इकाई– निर्धारित पाठ्यक्रम–

सूरदास का युग और उनसे सम्बन्धित सामान्य अध्ययन :

1. मध्ययुग सामाजिक अवस्था और भक्ति आन्दोलन
   वैष्णव आचार्य और बल्लभाचार्य
2. शुद्धाद्वैत दर्शन और पुष्टिमार्गीय भक्ति सम्प्रदाय
   बल्लभ सम्प्रदाय तथा अन्य कृष्ण भक्तिरूप
3. कृष्णभक्ति साहित्य की परम्परा
   अष्टछाप और सूरदास
   सूरदास की भक्ति और उसके दार्शनिक और धार्मिक आधार
4. सूरदास का जीवन चरित्र– बाह्य साक्ष्य, अंतःसाक्ष्य, जनश्रुति
   सूरदास का जीवन–वृत्त
5. सूरदास की रचनायें और उनकी प्रमाणिकता, सूरसागर, सूरसारावली, साहित्य लहरी
   'सूरसागर' की हस्तलिखित प्रतियां, मुद्रित संस्करण, उसके पाठ की समस्या, उनका सामान्य रूप

नोट :– सूरसागर व्याख्या भाग–

1. विनय पद सूरसागर भाग–1, सम्पादक नंद दुलारे वाजपेयी
2. बाललीला– सूरसागर भाग–2, सम्पादक नंद दुलारे वाजपेयी
3. मधुर लीला– रास तक
4. अनुराग लीला– रास से मथुरा– गमन के पूर्व तक
5. विरह लीला– मथुरा–गमन से उद्धव प्रसंग तक
6. द्वारिका–गमन, सुदामा–प्रसंग

सहायक ग्रन्थ–

1. नन्द दुलारे वाजपेयी — सूरदास
2. रामचन्द्र शुक्ल — भ्रमरगीत सार की भूमिका
3. प्रभुदयाल मीतल — अष्टछाप परिचय सूर सर्वस्व
4. हरवंशलाल शर्मा — सूर और उनका काव्य

5. सावित्री श्रीवास्तव – नाभादास कृत टीका का पाठालोचन
प्रियादास कृत टीका का पाठालोचन
6. ब्रजेश्वर वर्मा – सूरदास
7. मनमोहन गौतम – सूर की काव्यकला
8. बल्लभाचार्य – रास पंचाध्यायी श्री सुबोधिनी अनु0 जगन्नाथ चतुर्वेदी
9. बिट्ठलनाथ – भक्तिहंस (अनु0 केदारनाथ)
10. हजारी प्रसाद द्विवेदी – सूर साहित्य
11. श्रीमद्भागवत – गीता प्रेस गोरखपुर
12. डॉ0 नगेन्द्र – सूरदास : ए रिवोल्यूशन
13. लक्ष्मीशंकर निगम – श्रीमद्बल्लभाचार्य, उनका शुद्धाद्वैत एवं पुष्टिमार्ग

अंक विभाजन–

- पाठ्य पुस्तक से तीन व्याख्याएं (आन्तरिक विकल्प सहित) = 03x10 = 30
- 04 लघु उत्तरीय प्रश्न (आन्तरिक विकल्प सहित) = 04x05 = 20
- 02 दीर्घ आलोचनात्मक प्रश्न (विकल्प सहित) = 02x10 = 20
- आन्तरिक मूल्यांकन
(लिखित परीक्षा–20, असाइन्मेंट/सेमिनार, क्विज आदि–5,
समग्र प्रदर्शन– उपस्थिति आदि–5) = 20+5+5 = 30
कुल योग = 100

प्रश्न पत्र का शीर्षक : (ग) तुलसीदास

इकाई– निर्धारित पाठ्यक्रम–

तुलसीदास का युग और उनसे सम्बन्धित सामान्य अध्ययन :

1. तुलसीदास का कवि व्यक्तित्व : सीमाएं तथा विशेषताएं
मध्ययुगीन चिन्तनधारा और तुलसी की जीवन–दृष्टि
2. तुलसीदास के विचारों की सामाजिक पृष्ठभूमि
भक्ति–आन्दोलन का उद्भव विकास
3. विविध भक्ति सम्प्रदाय तथा तुलसी की दास भक्ति
तुलसीदास के दार्शनिक विचार
4. तुलसी और राम साहित्य की परम्परा
रामकथा की आधारभूत सामग्री और उनके ग्रहण का दृष्टिकोण
तुलसीदास के जीवन वृत्त की सामग्री और समस्याएं
5. तुलसीदास का प्रामाणित जीवन–वृत्त

1. **तुलसीदास की रचनाओं का अनुशीलन**
(क) प्रामाणिकता (ख) तिथि–क्रम और (ग) पाठ की समस्या की दृष्टि से।
2. 'रामचरितमानस' का विशेष अध्ययन
3. 'कवितावली' का विशेष अध्ययन
4. तुलसीदास की अन्य कृतियों का अध्ययन

नोट :– व्याख्या श्रीरामचरित मानस (उत्तरकाण्ड, सुन्दरकाण्ड, गीता प्रेस, गोरखपुर), कवितावली (बालकाण्ड, अयोध्याकाण्ड, सुन्दरकाण्ड, गीता प्रेस, गोरखपुर)।

सहायक ग्रन्थ–

1. गोस्वामी तुलसीदास – रामचन्द्र शुक्ल
2. तुलसीदास – माता प्रसाद गुप्त

3. तुलसी की साधना	–	विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
4. रामकथा	–	कामिल बुल्के
5. मानस की रूसी भूमिका (वरान्निकोव)	–	केसरी नारायण शुक्ल
6. तुलसीदास और उनका युग	–	राजपति दीक्षित
7. तुलसी : आधुनिक वातायन से	–	रमेश कुंतल मेध
8. लोकवादी तुलसीदास	–	विश्वनाथ त्रिपाठी
9. तुलसीदास : आज के संदर्भ में	–	युगेश्वर
10. मानस के रचना–शिल्प का विश्लेषण	–	योगेन्द्र प्रताप सिंह
11. तुलसी दर्शन–मीमांसा	–	विद्यानिवास मिश्र
12. तुलसी–मीमांसा	–	उदयभानु सिंह
13. तुलसीदास : हिज माइण्ड एण्ड आर्ट	–	डॉ0 नगेन्द्र (सम्पादक)
14. तुलसीदास की भाषा	–	डॉ0 देवकी नंदन श्रीवास्तव

अंक विभाजन–

- पाठ्य पुस्तक से तीन व्याख्याएं (आन्तरिक विकल्प सहित) = 03x10 = 30
- 04 लघु उत्तरीय प्रश्न (आन्तरिक विकल्प सहित) = 04x05 = 20
- 02 दीर्घ आलोचनात्मक प्रश्न (विकल्प सहित) = 02x10 = 20
- आन्तरिक मूल्यांकन
  (लिखित परीक्षा–20, असाइन्मेंट/सेमिनार, क्विज आदि–5,
  समग्र प्रदर्शन– उपस्थिति आदि–5) = 20+5+5 = 30

  कुल योग = 100

सेमेस्टरवार क्रेडिट विभाजन :–

- मुख्य विषय के चार थ्योरी के पेपर (पांच क्रेडिट का एक) एक सेमेस्टर में होंगे। इस प्रकार एक सेमेस्टर में मुख्य विषय के पेपर्स के 20 क्रेडिट होंगे। प्रथम वर्ष में 56 व दूसरे वर्ष में 60 कुल 116 क्रेडिट होंगे।

मौखिकी एवं लघु शोध/प्रोजेक्ट सम्बन्धी निर्देश :–

1. मौखिकी :–

यह सेमेस्टर हेतु निर्धारित सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित होगी, जो आन्तरिक व बाह्य परीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से 100 अंकों में सम्पन्न होगी।

विभाग द्वारा विद्यार्थी को साक्षात्कार की तैयारी कराने के साथ–साथ महाविद्यालय में उपलब्ध संसाधनों के अनुसार पुस्तक समीक्षा, सेमिनार पेपर प्रजेंटेशन, पी0पी0टी0 प्रजेंटेशन, शोध प्रविधि की जानकारी, मौलिक लेखन इत्यादि के लिए भी प्रेरित करना अपेक्षित है।

नोट : महाविद्यालय/ विभाग अपनी सुविधा व संसाधन के हिसाब से उपरोक्त गतिविधियों में से चयनित विषय/ गतिविधि का आयोजन बाह्य एवं आंतरिक परीक्षक के निर्देशन में करा सकते हैं।

1. लघु शोध/प्रोजेक्ट :–

विद्यार्थी द्वारा किसी एक विषय पर विभागीय प्राध्यापक (सुपरवाइजर) के निर्देशन में न्यूनतम 5000 (पांच हजार) शब्दों में एक लघु शोध अथवा प्रोजेक्ट तैयार करना होगा। लघु शोध अथवा प्रोजेक्ट का मूल्यांकन विषयगत लिखित सामग्री एवं मौखिकी के आधार पर आन्तरिक परीक्षक तथा बाह्य परीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से 100 अंकों में किया जायेगा।

नोट : विद्यार्थियों द्वारा किये जाने वाले लघुशोध/प्रोजेक्ट के विषय का आबंटन क्रमशः प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर में किया जाय। लघुशोध/प्रोजेक्ट कार्य विद्यार्थी की रुचि व क्षमता के आधार पर होगा। विषय का चयन इस प्रकार किया जाए कि वह विद्यार्थी में शोधकार्य के प्रति रुचि जगाने में सहायक हो।

नोट :–

पाठ्य समिति के सम्पूर्ण मंथन के पश्चात् नई शिक्षानीति (2020) के तहत स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम को चार सेमेस्टर में विभाजित किया गया है। प्रत्येक सेमेस्टर में अध्ययन हेतु चार इकाई निर्धारित की गयी हैं, जो अनिवार्य हैं। छात्र–छात्राओं को यथास्थान अध्ययन हेतु विभिन्न विकल्प भी प्रदान किए गए हैं।

हिन्दी पाठ्य समिति की वर्चुअल बैठक दिनांक २६.०६.२०२३ द्वारा पारित एवं स्वीकृत

26.6.23. (Prof. Ruparshumala)	K.Singh 26.6.2023		बीनारुस्तगी 26-6-2023
(प्रो० रूपांशुमाला)	**(प्रो० कंचन सिंह)**	**(डॉ.राम आधार सिंह यादव)**	**(प्रोफेसर बीना रुस्तगी)** संयोजक- हिन्दी पाठ्य समिति